दैनिक चैतन्य लोक इन्दौर 29 सितंबर 2019

फोरेंसिक विज्ञान नई तकनीकों के माध्यम से अपराध का पता लगाने में सहायक है : डॉ. धर

चैतन्य लोक » इन्दौर
dainikchaitanyalok.com

श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा 'समवाच्य 2019' एक दिन का राष्ट्रीय संगोष्ठी "फॉरेंसिक साइंस में वर्तमान रुझान" पर 28 सितंबर 2019 को आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि वरुण कपूर, एडीजी इंदौर और विशिष्ट अतिथि डॉ मीरा बोरवंकर पूर्व निदेशक, बीपीआर एंड डी थे। उद्घाटन समारोह में, 'समवाच्य 2019' की समन्वयक डॉ. कविता शर्मा ने संगोष्ठी का परिचय दिया उन्होंने बताया कि यह संगोष्ठी देशभर के शिक्षाविदों और विभिन्न विशेषज्ञों को अपनी क्षमता और अभिनव विचारों को साझा करने के लिए मंच है। स्वागत भाषण में डॉ. उपिंदर धर, कुलपति श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर ने कहा कि फोरेंसिक विज्ञान में नई तकनीकों के माध्यम से अपराध का पता लगाने में सहायक विज्ञान है। उन्होंने डीएनए अनुक्रमण, फेशियल रिकंस्ट्रक्शन, 3 डी फेशियल रिकंस्ट्रक्शन, मैग्नेटिक फिंगर प्रिंट, डिजिटल सेपरेशन (एसएफटी) उपकरणों जैसी वर्तमान उन्नति तकनीकों का भी उल्लेख किया। विशेष अतिथि डॉ मीरा बोरवंकर ने कहा कि जीवन के पहलुओं में सीखना सबसे महत्वपूर्ण है और खुश रहकर सीखना ही सीखने का सबसे अच्छा तरीका है। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि वरुण कपूर, एडीजी, इंदौर जोन ने साइबर अपराधों पर प्रकाश डाला और उन्होंने वास्तविक दुनिया और वर्चुअल दुनिया के बीच अंतर बताया और यह भी बताया की वर्चुअल दुनिया कैसे मनुष्य के लिए खतरनाक हो सकती है। उन्होंने साइबर अपराध से कुछ सुरक्षा और सुरक्षा सुविधाओं का सुझाव दिया। संगोष्ठी में दो सत्र थे। सत्र एक के वक्ता डॉ मीरा बोरवंकर का विषय 'फोरेंसिक प्रवृत्तियों में पुलिस अधिकारियों का दृष्टिकोण' था और डॉ एम.सी. जोशी, डिप्टी डायरेक्टर, जीईक्यूडी का विषय 'फोरेंसिक दस्तावेज़, परीक्षण में उभरता हुआ रुझान - एक वास्तविक मामला' था इस सत्र के चेयरपर्सन डॉ. एमपी गौतम, प्रोफेसर एसवीआईएफएस, एसवीवीवी, इंदौर थे। दूसरे सत्र के वक्ता डॉ. प्रवीण अरोड़ा, प्रोफेसर एंड हेड, फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग, एसएआईएमएस इंदौर का विषय 'विज्ञान में वर्तमान रुझान' और डॉ हर्ष शर्मा, निदेशक एसएफएसएल, सागर का विषय 'मूक गवाह, अपराध स्थल' और इस सत्र के चेयरपर्सन डॉ कविता शर्मा, समन्वयक, एसवीआईएफएस, एसवीवीवी, इंदौर थीं। अंत में रिपोर्ट प्रेजेंटेशन डॉ कविता शर्मा द्वारा दिया गया। सह-समन्वयक 'समवाच्य 2019', श्रीमती नंदिनी बंसोड़ कामले ने आभार प्रदर्शन किया।